विद्युत् तार निर्माण कारखाना

5057. **श्रीमती चन्द्रावती :** क्या उद्योग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने कारखानों द्वारा बिजली के खम्बों को सहारा देने वाली तारों तथा बिजली ले जाने वाली तारों का निर्माण किया जा रहा है और ऐसी तारों का वार्षिक उत्पादन कितना है ;

(ख) क्या इन तारों की समर्थन शक्ति की जांच की गई है और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं ;

(ग) क्या इन तारों का उत्पादन हमारी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त है और यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार सरकारी अथवा गैर-सरकारी क्षेत्र में नए कारखानों की स्थापना करने का है ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : (क) से (ग), तकनीकी विकास के महानिदेशालय में ऐंठे हुए (स्ट्रैण्डेड वायर) तार बनाने वाले 5 एकक पंजीकृत है । उनमें से कुछ प्रकार के तार बिजली के खम्भों और तारों को सहारा देने के लिए प्रयोग में आते हैं। विगत तीन वर्षों में स्ट्रेण्डेड तारों का उत्पादन इस प्रकार रहा है :–

1974	3239 मी० टन
1975	5019 मी० टन
1976	5125 मी० टन

बिजली के खम्भों तथा बिजली की लाइनों को सहारा देने वाले तार सामान्य रूप से आई० एस० आई० विशिष्टियों के अनुसार राज्य बिजली बोर्डों तथा संभरण एवं निपटान महानिदेशालय द्वारा खरीदे जाते हैं । अब स्ट्रैण्डेड तारों का विकास तथा उत्पादन लघु क्षेत्र के लिए आरक्षित किया गया है। हमारी आवश्यकताएं पूरी करने हेतु देश में ऐसे तार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं तथा सरकार को इस प्रकार के तारों की कमी होने की कोई शिकायत नहीं मिली है । बिजली के खम्भों और बिजली के तारों को सहारा देने वाले स्ट्रैण्डेड तारों का उत्पादन करने हेतु सरकारी तथा निजी क्षेत्र में नये कारखाने स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास निलम्बित नहीं है ।

'इलेक्ट्रिक कंडक्टिंग वायर' बनाना

5058. **श्रीमती चन्द्रावती :** क्या उद्योग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों में कितने कारखाने बिजली के तार इलेक्ट्रिक कण्डक्टिंग (वायर) बना रहे हैं तथा उनका कुल उत्पादन कितना है ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : विद्युत कण्डक्टिंग वस्तुओं (आइटमों) ए० ए०सी०/ए०सी०एस०आर०, पी०वी०सी०/वी०आई०आर० और विद्युत केबलों का उत्पादन करने वाले संगठित क्षेत्र के 75 एकक निजी क्षेत्र में और 2 एकक सरकारी क्षेत्र में है। 1976 में गैर सरकारी और सरकारी क्षेत्रों में क्रमशः 27,804 लाख रुपये और 522 लाख रुपये का उत्पादन हुआ। इनके अलावा लघु क्षेत्र में राज्य उद्योग निदेशकों के पास ए०सी०एस०आर०/ए०ए०सी० और तारों तथा केबलों का उत्पादन करने वाले अनेक एकक पंजीकृत हैं।

ट्रांसफार्मरों का निर्माण

5059. **श्रीमती चन्द्रावती :** क्या उद्योग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्र में कितने कारखाने ट्रांसफार्मर बना रहे हैं;

(ख) प्रत्येक वर्ष कितने ट्रांसफार्मरों का निर्माण किया जा रहा है ; और

(ग) क्या देश की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए ये ट्रांसफारमर पर्याप्त हैं तथा क्या ये गुण परीक्षा में खरे उतरे हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : (क) इस समय संगठित क्षेत्र में 33 एकक विद्युत और वितरण ट्रांसफार्मरों का निर्माण कर रहे हैं, इनमें केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र का एक एकक और राज्य सरकारों के स्वामित्व वाले 7 एकक शामिल है। इनके अलावा, लघु क्षेत्र में लगभग 100 एकक मुख्य रूप से वितरण ट्रांसफार्मरों का निर्माण कर रहे हैं।

(ख) इस उद्योग के उत्पादन के आंकड़े कुल के०वी०ए० के रूप में रखे जाते हैं। संगठित क्षेत्र में गत चार वर्षों में निम्नलिखित उत्पादन हुआ है :—

1973–74	124.7 लाख के०वी०ए०
1974–75	124.0 लाख के०वी०ए०
1975–76	137.8 लाख के०वी०ए०
1976–77	160 0 लाख के०वी०ए० (अनुमानित)

लघु क्षेत्र के उत्पादन के आंकड़े तत्काल उपलब्ध नहीं हैं लेकिन वितरण ट्रांसफार्मरों के सम्बध में लघु क्षेत्र का पर्याप्त योगदान होता है।

(ग) जी, हां।

अम्बाला, हरियाणा के निकट ट्रांसफार्मर का कारखाना

5060. श्रीमती चन्द्रावती : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अम्बाला, हरियाणा के निकट कोई कारखाना ट्रांसफार्मर बना रहा है ; यदि हां, तो कब से;

(ख) इन ट्रांसफार्मरों के निर्माण में किन धातुओं का कितनी मात्रा में उपयोग होता है ;

(ग) प्रतिवर्ष कितने ट्रांसफार्मरों का निर्माण किया जा रहा है तथा क्या उनकी गुणात्मकता का परीक्षण किया गया है और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं ;

(घ) क्या ट्रांसफार्मर बनाने के बजाय ये धातुएं विशेषकर तांबा काले बाजार में बेचा गया था ; और

(ङ) क्या उक्त कारखाना लाभ में चल रहा है?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस): (क) उद्योग मंत्रालय में उपलब्ध जानकारी के अनुसार हरियाणा राज्य में केवल एक एकक अर्थात् हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, धूलकोट (अम्बाला) 100 के० वी० ए० रेटिंग्स तक के वितरण ट्रांसफार्मरों का निर्माण कर रहा है। उन्हें 11–8–1971 को एक औद्योगिक लाइसेंस जारी किया गया था। 2000 नग प्रतिवर्ष की क्षमता के लिए लाइसेंस दिया गया था जो लगभग 200,000 के० वी० ए० के समतुल्य है। इस एकक की स्थापना प्रारम्भ में हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के ट्रांसफार्मरों की मरम्मत के लिए की गई थी। वे जिन ट्रासफार्मरों का निर्माण करते है, वे मुख्य रूप से हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के रक्षित उपयोग (केप्टिव यूज) के लिए होते हैं।

(ख) कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (सी० आर० जी० ओ०) इलेक्ट्रिकल स्टील शीट्स, तांबा, अल्युमिनियम और माइल्ड